श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 45, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार, 20 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

एक सप्ताह में होगी 31661 पदों पर सहायक अध्यापकों की भर्ती

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश में 69000 शिक्षकों की भर्ती के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम बढ़ाया है। सरकार 31661 पदों पर एक हफ्ते में भर्ती प्रक्रिया पूरी करेगी।

प्रदेश में शिक्षकों की भर्ती का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, इसमें भी सुप्रीम कोर्ट ने 31,661 पदों पर भर्ती की छूट दी है। योगी आदित्यनाथ सरकार अब उन्हीं 31,661 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया को एक सप्ताह में पूरी करेगी। इसके बाद के बचे पदों पर भर्ती सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद ही होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में 31,661 सहायक अध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया को एक सप्ताह में पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने

कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को नौकरी सहित रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग ने सहायक अध्यापकों के 69,000 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 06 जनवरी, 2019 को टीटीई की परीक्षा कराई गई थी। 07 जनवरी, 2019 को निर्गत शासनादेश से टीटीई परीक्षा में उत्तीर्ण के लिए सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम 65 प्रतिशत तथा पिछड़ा वर्ग एवं अन्य आरक्षित वर्गों के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक निर्धारित किया गया था। शासनादेश के सम्बन्ध में कतिपय अभ्यर्थियों ने हाई कोर्ट में रिट याचिकाएं योजित की थी।

मुख्य रिट याचिका रामशरण मौर्या बनाम राज्य सरकार व अन्य में हाई कोर्ट ने 29 मार्च, 2020 को शासन के पक्ष में निर्णय दिया गया। विशेष अनुज्ञा याचिका सं-11198/2020 रामशरण मौर्या व अन्य बनाम राज्य सरकार व अन्य में सुप्रीम कोर्ट के 21 मई, 2020 को पारित आदेश में राज्य सरकार को यह निर्देश दिए गए कि शिक्षामित्रों द्वारा धारित सहायक अध्यापकों के पदों को छोड़कर शेष पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण की जाए। अतः अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश दिया है कि 31,661 पदों की भर्ती प्रक्रिया एक सप्ताह में पूर्ण कर लें।

एलओसी पर अब नहीं हो सकेगी पाकिस्तानी घुसपैठ, भारतीय सेना ने तैनात की जवानों की एक अतिरिक्त ब्रिगेड

नई दिल्ली, एएनआइ। जम्मू कश्मीर से लगी हुई नियंत्रण रेखा (LoC) पर पाकिस्तानी घुसपैठ को रोकने के लिए भारतीय सेना पूरी तरह से चौकन्ना है। पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ने व उनसे मुकाबला करने के लिए भारतीय सेना ने 3000 सैनिकों की एक अतिरिक्त ब्रिगेड एलओसी पर तैनात की है। समाचार एजेंसी एएनआइ ने सूत्रों के हवाले से बताया कि नियंत्रण रेखा (छङ्घउ) पर घुसपैठ को रोकने के लिए सेना की एक अतिरिक्त ब्रिगेड तैनात की गई है और इस कदम के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। सूत्र के अनुसार नियंत्रण रेखा पर तैनात अतिरिक्त जवानों की ब्रिगेड घुसपैठ की सभी बड़ी कोशिशों को नाकाम करने में सफल रहे हैं और आंतकवादियों द्वारा एलओसी पार

करने के नापाक मंसूबे को असफल कर दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना इस साल आतंकवादियों की घुसपैठ में बहुत अधिक सफलता हासिल करने में विफल रही है। अक्टूबर-नवंबर में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के कारण पाकिस्तान हर बार वहीं से घुसपैठ की कोशिश करता है, जिसके चलते भारतीय सेना इस बार पहले से ही चौकन्ना हो गई है। वहीं, भारतीय सेना एलओसी पर पूरी तरह से सक्रिय है और हाल ही में उत्तरी कश्मीर के गुरेज सेक्टर से घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में पाकिस्तान के कब्जे वाले गुलाम कश्मीर की एलओसी पर पाकिस्तानी सेना की एक-दो अतिरिक्त बटालियन मौजूद हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता है कि वे चीनी सेना के समर्थन में भारत पर दबाव बनाने के लिए हैं। अगर पाकिस्तानी ऐसा करने की कोशिश करती है, तो भारतीय सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों से पाकिस्तान संघर्ष विराम उल्लंघन को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। अभी हाल ही में सेना प्रमुख ने जम्मू-कश्मीर में जारी सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए श्रीनगर का दौरा किया है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह भी कोरोना पॉजिटिव

रायपुर, जेएनएन/एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह भी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने शनिवार को खुद ट्वीट करके यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा, 'मैंने कोरोना के शुरूआती लक्षण नजर आने पर टेस्ट कराया था जिसमें मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरा निवेदन है कि विगत दिनों जो भी लोग मेरे संपर्क में आए हैं। वह आइसोलेशन में रहें एवं अपना कोरोना टेस्ट जरूर कराएं। इससे पहले रमन सिंह की पत्नी भी संक्रमित हुई थीं।

कोरोना संक्रमण से बिगड़ते हालात की वजह से राज्य में फिर लॉकडाउन लागू होने जा रहा है। राजधानी रायपुर, न्यायधानी बिलासपुर, ट्विन सिटी दुर्ग-भिलाई के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में सोमवार - मंगलवार से सख्त लॉकडाउन का आदेश जारी हो गया है। धमतरी के शहरी क्षेत्र में 10

दिनों के लॉकडाउन का ऐलान कर दिया गया है। बेमेतरा, मुंगेली और रायगढ़ पहले से ही लॉकडाउन लगाया गया है। कबरीधाम जिले के शहरी क्षेत्रों में 10 सितंबर से अनिश्चितकालीन लॉकडाउन है। वहीं, बस्तर और जांजगीर-चांपा समेत कुछ और जिलों में जिला प्रशासन इस पर विचार कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शनिवार की शाम तक राज्य में 1,457 संक्रमित मिले जबकि 18 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई।

पूर्व व्यापी भुगतान की स्थिति को ट्रैक करने के लिए राष्ट्रीय डेटाबेस स्थापित करने की तैयारी में चुनाव आयोग

नई दिल्ली, एएनआइ। भारतीय चुनाव आयोग (एउक) अपने भूतपूर्व कर्मचारियों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर पर डेटाबेस स्थापित करने की योजना बना रहा है। यह डेटाबेस पूर्व-व्यापी भुगतान की स्थित को ट्रैक करने के लिए है, जो कर्मचारी ड्यूटी के दौरान घायल हो गए थे या अपनी जान गंवा बैठे थे। राष्ट्रीय स्तर के डेटाबेस के साथ सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (उएड) को भी चुनाव आयोग द्वारा ऐसे सभी दावों को ट्रैक करने के लिए कहा गया है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, ईसीआइ चुनाव संबंधी ड्यूटी करते समय अपनी जान गंवाने वालों के लिए पूर्व भुगतानों को ट्रैक करने के लिए एक राष्ट्रीय डेटाबेस स्थापित करना चाहता है। बता दें कि दिवंगत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान रमेश कुमार की पत्नी प्रमिला देवी के मामले के बाद यह कदम तेजी से बढ़ाया गया। 2002 में जम्मू और कश्मीर चुनावों के दौरान रमेश कुमार ने एक आतंकवादी हमले के बाद चोटों के कारण दम तोड़ दिया था।

थारू और वनटांगिया जनजाति के गांव बनेंगे 'राजस्व ग्राम' : मुख्यमंत्री

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश के देवीपाटन मंडल से पिछड़ेपन का दंश मिटाने की प्रतिबद्धता जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समन्वित विकास की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। मंडल के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि मंडल के बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों में विकास की असीम संभावनाएं हैं। साथ ही सीएम योगी ने थारू और वनटांगिया जनजाति के गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा दिए जाने का अहम निर्देश भी दिया है।

लगातार अलग-अलग मंडलों की समीक्षा बैठक कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को देवीपाटन मंडल के जिले बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती और बहराइच की स्थिति परखी। अपने सरकारी आवास पर आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सीएम योगी ने कहा कि बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर जैसे आकांक्षात्मक जिलों में विकास की बहुत संभावनाएं

हैं। बौद्ध सर्किट का अहम हिस्सा होने के कारण इनका आध्यात्मिक महत्व भी है। इन जिलों में अच्छा काम हो रहा है। इन पर फोकस करते हुए समन्वित विकास की कार्ययोजना बनाई जाए। मंडल में कोरोना की स्थिति नियंत्रित होने पर संतोष जताते हुए उन्होंने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग बढ़ाने की जरूरत बताई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जरूरतमंदों को रोजी-रोजगार मिले, इसके लिए जिलास्तरीय बैंकर्स कमेटी के साथ नियमित बैठक करें। मंडल में वनटांगिया और थारू जनजाति बहुतायत में है। इन्हें शासन की सभी योजनाओं का लाभ मिले। इनके गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा दिया जाए। योगी ने कहा कि पूर्वांचल के इस क्षेत्र की भूमि बेहद उर्वर है। भरपूर पानी और मानव संसाधन भी मौजूद है। इस नाते यहां खेतीबाड़ी के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। कुछ किसान यहां बहुत बेहतर कर रहे हैं। उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। प्राकृतिक जलस्रोतों तालाब, कुंओं और पोखरों में पानी का संरक्षण करें। वहीं, बहराइच में केला उत्पादन का रकबा बहुत बड़ा है। यहां एक फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की संभावना तलाशी जाए। हर ब्लॉक में एफपीओ का गठन करें। गोदामों के लिए प्रस्ताव तैयार करें।

विकास का पैसा जनता की गाढ़ी कमाई का : मंडलायुक्त एसवीएस रंगाराव ने मंडल में जारी 50 करोड़ रुपये से ऊपर की विकास परियोजनाओं की प्रगति बताई। मंडल के सभी जिलाधिकारियों ने भी अपने जिले में चल रही 10 से 50 करोड़ रुपये तक की विकास परियोजनाओं के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने सांसद, विधायक और मंत्रियों से फीडबैक लिया। उनकी मांगों को सुनकर कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के जरिए अपने प्रस्ताव बनवाकर शासन के संबंधित विभाग को भेजें। उसकी प्रति मुख्यमंत्री कार्यालय को भी भेज दें। हर प्रस्ताव पर समय से काम होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि विकास का पैसा जनता की गाढ़ी कमाई का है। इसकी पाई-पाई का सदुपयोग होना चाहिए। बैठक में संबंधित जिलों के प्रभारी मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह और मुकुट बिहारी वर्मा भी उपस्थित थे।

बहराइच में महाराज सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज, गोंडा के राजकीय मेडिकल कालेज, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, वनटांगिया विद्यालय और अटल आवासीय विद्यालय महत्वपूर्ण योजनाएं हैं। इस संबंध में कतई देर न की जाए। बलरामपुर में केजीएमयू के सेटेलाइट सेंटर अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय और गोंडा के विधि विज्ञान प्रयोगशाला के निर्माण की प्रगति संतोषजनक नहीं। कमिश्नर समीक्षा करें। श्रावस्ती में निमार्णाधीन जिला जेल के बजट में कोई बदलाव नहीं होगा। पुनरीक्षित बजट भेजने की आदत छोड़ें।

प्रदूषण फैला रही 34 थर्मल पावर इकाइयां होंगी बंद, 20 साल से ज्यादा पुरानी हैं ये यूनिटें

नई दिल्ली, आइएएनएस। सरकार ने प्रदूषण फैलाने वाले 12 पावर प्लांटों की 34 इकाइयों को बंद करने का प्रस्ताव किया है। कुल 500 मेगावाट क्षमता की इन इकाइयों ने अभी तक कोई उत्सर्जन नियंत्रण अनुपालन योजना नहीं सौंपी हैं। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा थर्मल प्लांटों के लिए प्रस्तावित नए उत्सर्जन मानकों के अनुसार, उनके पास वर्तमान में कोयला आधारित पावर प्लांट हैं और इनमें फ्यूल गैस डिसल्फ्यूराइजेशन (FGD) यूनिटें और इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर्स (ESP) हैं। एफजीडी स्थापित करने के लिए एक अनुमान के मुताबिक, प्रति मेगावाट 27 से 45 लाख रुपये की दरकार होगी। इससे पावर टेरिफ में 62 से 92 पैसे प्रति

यूनिट वृद्धि की जरूरत होगी। ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि जहां बड़ी संख्या में (300 से ज्यादा) थर्मल प्लांट उत्सर्जन कटौती परियोजना की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं, वहीं करीब 34 यूनिटों ने प्रस्तावित उत्सर्जन नियंत्रण नियमों के पालन के लिए कोई योजना नहीं सौंपी है।

ये यूनिटें 20 साल से ज्यादा पुरानी हैं और इनमें से ज्यादातर राज्य सरकारों द्वारा संचालित हैं। कुछ केंद्र सरकार के स्वामित्व वाले दामोदर घाटी कारपोरेशन (बोकारो और दुगार्पुर) और निजी कंपनी सीईएससी (टीटागढ़) द्वारा संचालित हैं। केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि इनको चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाएगा। वहीं, दूसरी ओर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (उढउइ) की रिपोर्ट के अनुसार आगरा देश का सातवां प्रदूषित शहर रहा। प्रदेश में यह तीसरे स्थान पर रहा। यहां एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 133 दर्ज किया गया जो कि गुरुवार के एक्यूआइ 193 से कम रहा। हवा में अति सूक्ष्म कणों (पीएम2.5) की मात्रा अधिक रहने से वायु गुणवत्ता मध्यम स्थिति में रही। देश में लखनऊ सर्वाधिक प्रदूषित रहा। आगरा उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक प्रदूषित और देश में तीसरे स्थान पर रहा था।

अब महंगी पड़ेगी डॉक्टरों से मारपीट और बदसुलूकी

राज्यसभा में पारित हुआ महामारी रोग संशोधन एक्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मारपीट और बदसुलूकी अब महंगी पड़ेगी। राज्यसभा ने शनिवार को वह विधेयक पारित कर दिया जिसमें कोविड-19 महामारी या वर्तमान महामारी जैसी किसी स्थिति में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों पर हमला करने वालों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने उच्च सदन में महामारी रोग (संशोधन) अधिनियम, 2020 पेश किया जिसका विभिन्न पार्टियों के अधिकांश सदस्यों ने समर्थन किया। हालांकि कुछ सदस्यों ने इसके दायरे में अस्पतालों के सफाई कर्मियों, आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कर्मियों और पुलिस व अन्य विभागों जैसी आपात सेवाओं के कोरोना वॉरियर्स को भी लाने का सुझाव दिया। यह विधेयक सरकार द्वारा 22 अप्रैल को जारी अध्यादेश के स्थान पर लाया गया है। कोविड-19 मरीजों का इलाज कर रहे स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को

गैरजमानती अपराध बनाने के लिए सरकार ने उक्त अध्यादेश के जरिये महामारी रोग अधिनियम, 1897 में संशोधन किया था। विधेयक का मकसद वर्तमान महामारी जैसी किसी भी स्थिति के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ किसी तरह की हिंसा और संपत्ति को नुकसान पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। प्रस्तावित अधिनियम में ऐसी हिंसा में लिप्त होने या उकसाने पर तीन महीने से पांच साल तक की कैद और 50 हजार से दो लाख रुपये के जुमार्ने का प्रावधान है। गंभीर चोट के मामले में छह महीने से सात साल तक की कैद और एक लाख से पांच लाख रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है।

विधेयक पर चर्चा के दौरान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बिनॉय विस्वम ने कहा कि बिल में गंभीर खामियां हैं क्योंकि इसमें अस्पतालों के भीतर स्वास्थ्य पेशेवरों पर हिंसा के मसले को शामिल नहीं किया गया है। कई अस्पताल डॉक्टरों और नर्सों को वेतन का भुगतान नहीं कर रहे हैं, पीपीई किट नहीं दी जा रही हैं और सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी की जा रही है। कांग्रेस के आनंद शर्मा ने कहा कि इसके दायरे में पुलिस और अन्य सेवाओं के कर्मियों को भी शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने सभी पक्षों से विचार-विमर्श के लिए तत्काल एक राष्ट्रीय कार्यबल भी गठित करने का सुझाव दिया। तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन ने केंद्र पर विधेयक के जरिये राज्यों के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधेयक में कपटपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। राज्यों को फैसले लेने के अधिकार दिए जाने चाहिए। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव ने कोविड-19 संकट का फायदा उठाने और इसे कारोबार की तरह लेने वालों और निजी अस्पतालों को दंडित करने के लिए विशेष प्रावधान करने की जरूरत पर बल दिया।

बीएमसी ने दायर किया जवाबी हलफनामा, कहा- कंगना पर लगाया जाए जुर्माना

मुंबई, एएनआइ। बीएमसी ने कंगना रनोट की याचिका के जवाब में एक हलफनामा दायर किया है। अभिनेत्री कंगना रनोट और मुंबई म्युनिसिपल कापोर्रेशन (BMC) के बीच की लड़ाई अब बॉम्बे हाईकोर्ट में है। ऑफिस तोड़े जाने के बाद कंगना ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बीएमसी से 2 करोड़ रुपये की मांग की थी। अब बीएमसी ने हलफनामा दायर किया है।

बीएमसी ने दायर हलफनामे में कहा है कि कंगना की याचिका निराधार है और उन्हें इस पर खुद जुमार्ना देना चाहिए। बीएमसी ने जवाबी हलफनामा दायर किया है। इसमें कहा गया है कि कंगना रनोट की याचिका कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इस पर विचार नहीं करना चाहिए, साथ ही कंगना पर जुर्माना लगना चाहिए। कंगना की याचिका पर 22 सितंबर को सुनवाई होगी। जानकारी के लिए बता दें कि बीएमसी ने हाल ही में कंगना के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 8 दिन पहले उनके ऑफिस ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई के करीब 8 दिन बाद कंगना ने ऑफिस की तस्वीरों को शेयर किया था।

बता दें कि बीएमसी ने 9 सितंबर को कंगना के पाली हिल स्थित ऑफिस में कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को तोड़ दिया था। बीएमसी की टीम ने करीब दो घंटे तक जेसीबी मशीन, हथौड़े और क्रेन से तोड़फोड़ की। जिस दिन ये कार्रवाई की गई थी। ठीक उसी दिन कंगना हिमाचल से मुंबई पहुंची थीं। बीएमसी की इस कार्रवाई को कंगना के वकील की तरफ से मुंबई उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एसजे कत्थावाला की खंडपीठ ने इस कार्रवाई को अनुचित करार दिया था। कंगना की ओर से मंगलवार को उनकी संशोधित याचिका में कहा गया है कि उनके विरुद्ध यह कार्रवाई राज्य सरकार पर उनके द्वारा की गई टिप्पणियों का नतीजा है। राज्य व बीएमसी दोनों जगह इस समय एक ही पार्टी की सत्ता है। हालांकि, कंगना ने बीएमसी की कार्रवाई पर हाईकोर्ट स्टे ले लिया है। फिलहाल इस मामले में आगे की सुनवाई के लिए 22 सितंबर के समय मांगा गया है।

जवान मल्लूराम के अंतिम संस्कार पर उमड़ा जन सैलाब

बिलासपुर, जेएनएन। बस्तर के बीजापुर जिले में नक्सलियों के हमले में शहीद जवान मल्लूराम सूर्यवंशी की पार्थिव शरीर को शनिवार को बिलासपुर में गृह ग्राम रमतला लाया गया। जांबाज की शहादत की खबर फैलते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। शहीद के घर पूरा गांव उमड़ा था और मल्लूराम की अमर शहादत के नारे लग रहे थे। पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों समेत पूरे गांव ने शहीद मल्लूराम की पार्थिव देह पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूरे सम्मान के साथ शहीद मल्लूराम का अंतिम संस्कार किया गया।

रमतला गांव में शहीद को अंतिम विदाई देने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। इस मौके पर एसपी प्रशांत अग्रवाल विधायक शैलेश पांडेय, बेलतरा क्षेत्र के विधायक

रजनीश सिंह, बिल्हा जनपद के उपाध्यक्ष विक्रम सिंह, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, बिलासपुर नगर निगम के महापौर रामशरण यादव, प्रदेश कांग्रेस के सचिव राजेंद्र साहू, जिला पंचायत के सभापति अंकित गौरहा, कांग्रेस नेता त्रिलोक श्रीवास, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद नायक, बिल्हा के जनपद सदस्य शिवानंद शराफ एवं बंटी यादव समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स में कार्यरत जवान मल्लूराम सूर्यवंशी को बस्तर के बीजापुर से नक्सलियों द्वारा पांच दिन पहले अगवा कर लिया गया था। बाद में नक्सलियों उनकी हत्या कर शव को बीजापुर-गंगालूर सड़क पर फेंक दिया था। नक्सलियों ने उनके शव पर पर्चे डाल दिए थे। शनिवार को विशेष शव वाहन में पार्थिव देह पहुंचने पर लोगों ने फूलों की बारिश करके मल्लूराम को सम्मान दिया।

अंतिम संस्कार से पहले उनके निवास के समक्ष रमतला गांव के चौक में उनकी प्रतिमा पर बिलासपुर से पहुंचे अधिकारियों नेताओं और आसपास के ग्रामीणों ने अपने श्रद्धा पुष्प अर्पित किए। शहीद मल्लूराम के अंतिम संस्कार से पूर्व उन्हें गारद द्वारा अंतिम सलामी दी गई। इस दौरान बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा चरम पर था। अंतिम संस्?कार के दौरान गांव के लोग 'मल्लूराम की शहादत का बदला लेकर रहेंगे, लेकर रहेंगे' के नारे लगाते दिखे।

पोल्ट्री फार्मों को लेकर तीन महीने में नया आदेश जारी करे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एनजीटी ने दिए निर्देश

नई दिल्ली, पीटीआइ। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को निर्देश दिया है कि वह पोल्ट्री फार्मों को हरित श्रेणी के उद्योग के रूप में वगीर्कृत करने पर फिर से विचार करे। हरित श्रेणी के उद्योग के रूप में वगीर्कृत किए जाने के चलते पोल्ट्री फार्मों को विभिन्न कानूनों से छूट मिली हुई है। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एके गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने सीपीसीबी को तीन महीने के भीतर नया आदेश जारी करने के लिए कहा है। इसने कहा है कि यदि नया आदेश जारी नहीं किया जाता है, तो सभी राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डो को वायु, जल और पर्यावरण संरक्षण कानून के तहत सहमति तंत्र लागू करने की जरूरत पड़ेगी। एनजीटी ने कहा कि तब तक सहमति तंत्र के बिना भी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कड़ाई से पर्यावरण संबंधी नियमों को लागू कर सकते हैं। इसके अलावा वायु, जल और मिट्टी से संबंधित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर उचित कार्रवाई कर सकते हैं। एनजीटी ने कहा कि सतत विकास जीवन का हिस्सा है और सरकारी अधिकारियों का दायित्व है कि वे इसकी धारणा के अनुसार पर्यावरण की रक्षा करें। पर्यावरण के प्रति सरकार की जिम्मेदारी जन विश्वास सिद्धांत के तहत है। जल अधिनियम, वायु अधिनियम और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम अंतरराष्ट्रीय संधियों के संदर्भ में बनाए गए हैं और अन्य सभी कानूनों से ऊपर हैं। इससे इतर एनजीटी ने शुक्रवार को दिल्ली और हरियाणा के गुरुग्राम दोनों में पड़ने वाली नजफगढ़ झील को एक जलाशय घोषित करने को लेकर विवाद पर दोनों सरकारों को निर्देश दिया कि वे इलाके में अतिक्रमण और निर्माण कार्य रोकने के लिए एक योजना बनाएं। यही नहीं एनजीटी ने पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से भी कहा कि वह केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी की मदद से एक पर्यावरण प्रबंधन योजना तैयार करे। अधिकरण ने कहा कि गुरुग्राम के जिला मजिस्ट्रेट ने जो रिपोर्ट दी है उसके मुताबिक, राजस्व रिकॉर्ड में जलाशय की कोई प्रविष्टि नहीं है। यह क्षेत्र आंशिक रूप से सरकारी और आंशिक रूप से निजी है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज रविवार, 20 सितम्बर, 2020

संक्षेप समाचार

श्रीमती गीता केशरवानी को भारतीय जीवन बीमा निगम नें कोरोना योद्धा से सम्मानित किया

करमा । क्षेत्र के जसरा स्थित श्री ईश्वरदीन छेदी लाल इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य श्री श्रीश गुप्ता जी की पुत्रवधू श्रीमती गीता केशरवानी को भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारियों द्वारा कोरोना योद्धा से सम्मानित किये जानें से आसपास के लोगों में काफी हर्ष हैं श्रीमती केशरवानी लाकडाउन की अवधि से निरन्तर समाज में रहकर महिलाओं को जागरुक करनें का प्रयास कर रहीं हैं । श्रीमती गीता केशरवानी का निजी मानना हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को मुसीबत के समय एक दूसरे के प्रति निष्ठा भाव से सहयोग करना चाहिए। श्रीमती केशरवानी भारतीय जीवन बीमा निगम की अभिकर्ता भी हैं एक प्रश्न के जवाब में श्रीमती केशरवानी नें कहा कि उक्त कार्य वह अपने पति कन्दर्प किशोर केशरवानी के सहयोग से करती आ रहीं हैं ।

टोल पर अवैध वसूली को लेकर सौंपा ज्ञापन

करछना। प्रयाराज मिर्जापुर मार्ग पर स्थित टोल प्लाजा पे दबंगो गुंडों द्वारा अवैध टैक्स वसूली गुंडई दहशतगर्दी व जाम के संबंध में तहसीलदार करछना के माध्यम से केंद्रीय सड़क परिवहन व राज्यमंत्री भारत सरकार नितिन गडकरी को प्रेषित ज्ञापन सौंपा गया।इस मौके पर शिव यादव ने कहा कि टोल वसूली के नाम पर मुगारी टोल प्लाजा पर अव्यवस्थाओं की भरमार है। बिना रेट बोर्ड के यहां पर टोल की वसूली हो रही है। चालकों की सुविधा के लिए यहां टोल की दर सूची तक नहीं लगी है। अगर कोई चालक टोल दर को लेकर बात करता है तो उसके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। आए दिन पुलिस के पास शिकायत पहुंचती है लेकिन पुलिस के द्वारा कोई भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। वाहन चालकों से रायफल धारी गुंडों द्वारा खुलकर गाली गलौजएमारपीट कर जबरन वसूली की जा रही है।जिससे यहा अराजकता व आक्रोश का माहौल है अवैध वसूली के चक्कर मे यहाँ प्रतिदिन वाहन चालको से मारपीट की जा रही जिससे यहाँ अफरातफरी व

टोल पर अवैध वसूली को धरने पर बैठे लोग

जाम का माहौल है प्रतिदिन 5 से 7 किलोमीटर जाम से आम लोगो को गुजरना पड़ता है। जाम के कारण कई गंभीर मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही जाम में दम तोड़ देते है जाम का मुख्य कारण कुछ ट्रको का टोल कर्मचारियों द्वारा ज्यादा पैसा ले अवैध रूप से दूसरी लेन से निकलवाना मुख्य कारण है जो नियम विरुद्ध है इस पर तत्काल कारवाही की माग की गई।सौपे गये ज्ञापन मे मुगारी करछना में जहाँ टोल है वहाँ ज्यादा संख्या में किसान है जिनका घर टोल के नजदीक है जिससे इन्हें दिन भर में 5 से 10 बार टोल से दोनों तरफ जाना पड़ता है लोकल जमुनापार प्रयागराज के लोगो निः शुल्क छोड़ा जाना सुनिश्चित किया जाएए लोग टोल देने में असमर्थ है उनसे मारपीट के बजाय उनके गाड़ी मालिक से नियमानुसार टोल वसूला जाए टोल प्लाजा पे जरूरत से ज्यादा कर्मचारीयो को न रखा जाए टोल प्लाजा से असलहाधारीयो को हटाया जाए सभी गाड़ियों को एक लेन में आना सुनिश्चित किया जाए टोल प्लाजा पे रेट लिस्ट लगाई जाए।इस मौके पर मोहित पांडेय हिमांशु मिश्र समीर पांडेय मोहित यादव संजय विजय यादव सुभाष मोनू यादव राकेश सन्नीश्याम जी यादवएराज पासीए आरिश सिद्दीकी सुजल यादव उज्जवल यादव सोनू सोनकर सत्यम यादव सतीश तिवारीग्राजू पटेल अनुराग यादव राहुल विजय विपिन धनंजय यादव आदि मौजूद रहे।

जेवर उड़ाने वाले उचक्कों की तस्वीर सीसीटीवी में कैद

शुक्रवार के दिन ईंट कारोबारी के पत्नी की जेवर साफ करने के बहाने उड़ा दिए थे उच्चके

घूरपुर। जेवर साफ करने के बहाने ईंट कारोबारी के पत्नी की जेवर उड़ाने वाले उच्चकों की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हो गई थी।पहचान के लिए पुलिस को भी तस्वीरें दी गई है। वहीं कारोबारी ने उच्चकों के पहचान बताने वालों को पुरुस्कार की भी घोषणा की है।और उच्चकों की तस्वीरों को स्थानीय सोशल मीडिया में वायरल किया गया है।

शुक्रवार के दिन घूरपुर बाजार निवासी गया प्रसाद केसरवानी की पत्नी रीना केसरवानी अपने छोटे छोटे बच्चों के साथ थी ।इसी बीच दो युवक पल्सर से पहुंचे और दरवाजा खटखटा कर घर में घुस गए ।घर में घुसने के बाद दोनों ने अपने को जेवर साफ करने वाला बताया ।दोनो उचक्कों ने रीना केसरवानी को अपने झांसे में ले लिया ।रीना घर के अंदर गई और अपना चार सोने के कड़े और एक सोने की वजनी चैन लेकर

सीसीटीवी कैमरे में कैद चोरों की फुटेज

उचक्कों के पास पहुंची ।उचक्कों ने जेवर को उलट पलट कर देखने के बाद उन्हें साफ करने के लिए गरम पानी की मांग की तो रीना अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ रसोई में जाकर पानी गरम करने लगी ।इसी बीच उचक्कों ने जेवर समेटा और पल्सर पर सवार होकर शहर की ओर भाग निकले ।पानी लेकर रीना वापस आई तो गहने साफ करने वालों को देख दंग रह गई ।रीना ने शोर मचाया तो आस पास के लोग जुट गए और बाइक से युवकों का पीछा किया लेकिन उचक्के भागने में सफल हो गए थे कारोबारी के घर में लगे सीसीटीवी खराब थी। लेकिन पड़ोस के एक दुकान में लगी सीसीटीवी को लोगों ने शुक्रवार रात चेक किया तो दो संदिग्ध युवकों की तस्वीरें दिखी जिसे कारोबारी के पत्नी रीना को दिखाया तो उच्चकों को पहचान ली। कारोबारी के बड़े भाई हनुमान प्रसाद केसरवानी ने सोशल मीडिया पर उच्चकों की तस्वीरें वायरल करते हुए पहचान बताने वालों को पुरुस्कार देने की भी घोषणा की। तस्वीर आने के बाद मामले को पुलिस भी छानबीन कर रही है।

मऊआइमा में हर रोज मिल रहे है कोरोना पाजिटिव

मऊआइमा। कोरोना का कहर मऊआइमा क्षेत्र में निरंतर जारी है । शनिवार को टेस्टिंग के बाद तीन लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। जिन्हें होम क्वालंटाइन कर दिया गया है। मऊआइमा क्षेत्र में कोरोना का कहर निरंतर जारी है। लोग मास्क उपयोग करना बंद कर दिए हैं । तथा सोशल डिस्टेंसिंग का भी कोई पालन नहीं कर रहा है। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, द्वारा बताया गया है कि मऊआइमा कस्बा के गंजियाबाजार निवासनीय एक 28 वर्षीय युवती तथा ग्राम बांकाजलालपुर का एक 26 वर्षीय युवक एंव ग्राम पूरे भीखू निवासी एक युवक कोरोना संक्रमिक पाए गए हैं । सभी को होम क्वालंटाइन कर दिया गया है। तथा सम्पर्क आने वालों की ट्रैवेल हिस्ट्री पता लगाया जा रहा है । बता दें कि अब कोरोना पाजिटिव पाए जाने वाले का घर भी नहीं सीज किया जा रहा है न ही सेनेटाजिंग ही किया जा रहा है । नगर पंचायत में शुरूआती दौर में बहुत तेजी देखायी गयी। अब सब राम भरोसे चल रहा है।

पट्टे की जमीन पर पंचायत भवन निर्माण पर पट्टा धारकों ने जताया विरोध

विरोध प्रदर्शन करती महिलाएं

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के अतरौरा गांव में पट्टे की जमीन पर ग्राम प्रधान द्वारा पंचायत भवन का निर्माण किए जाने पर ग्रामीणों ने हाथ उठाकर विरोध जताया।अतरौरा गांव निवासी मुन्नीलाल कमलेश बब्बे लाल रामनाथ महारानी दीन पच्चुवा आदि समेत एक दर्जन लोगों को 2004 में आवासीय पट्टा मिला था जिस पर पट्टा धारकों द्वारा छप्पर रख कर रह रहे थे हाल में ही राजस्व टीम व पुलिस बल जेसीबी से बने छप्पर को गिरवा दिया गया। वही ग्राम प्रधान द्वारा पट्टे की जमीन में पंचायत घर का निर्माण करने लगे तो पट्टा धारकों ने विरोध जताया। एस डी एम हंडिया के फोन पर पट्टे में निर्माण हो रहे पंचायत भवन का काम रुक गया। वही पट्टा धारकों का कहना है कि यह जमीन हम लोगों की आवासीय पट्टा मिला था। जिस पर लगभग कई वर्षों से छप्पर बनाकर कब्जा थे। चुनावी रंजिश को लेकर ग्राम प्रधान द्वारा पट्टे की जमीन को कब्जे किया जा रहा है।उस जमीन में अब भी पुराने पेड़ भी मौजूद हैं।जबकि पंचायत घर की जमीन का नंबर सुरक्षित है तथा जमीन भी खाली हैं।वही ग्राम प्रधान हरिश्चंद्र यादव का कहना है कि जिस जमीन में निर्माण हो रहा है उसका नंबर पंचायत भवन के नाम से दर्ज है। फिर हाल पंचायत भवन का निर्माण अभी स्थगित है मामला कोर्ट में चल रहा है।

बिजली विभाग ने कटियामारों की काटी केबिल लगाये गये नये मीटर

माण्डा। क्षेत्र के कई इलाकों में बिजली विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर दर्जनों से अधिक कटियामारों के केबल काट दिए साथ ही कई घरों में नए मीटर लगाए गए। वहीं बिजली विभाग की छापेमारी से इलाके में हड़कंप की स्थिति बनी रही। गौरतलब है कि क्षेत्र में बिजली चोरी की रोकथाम के लिए मेजा के अधिशासी अभियंता मनोज कुमार के नेतृत्व में एसडीओ सुशांत शर्मा एवम अवर अभियंता सियाराम यादव, लवकुश बिन्द व त्रिलोकी नाथ गौड़ ने दर्जनों कर्मचारियों के साथ क्षेत्र के माण्डा, चिलबिला, भारतगंज में छापेमारी किया। इस दौरान कुल 309 उपभोक्ताओं के घर छापेमारी की गई,जिसमे 40 उपभोक्ताओं का लोड बढाते हुए 6 किलोवाट किया गया। वहीं उक्त टीम ने 46 लोगों का कनेक्शन काटा और 34 सौभाग्य मीटर व 24 विभागीय मीटर लगाए। उक्त अभियान में 15 विद्युत मीटर बाईपास मिले, जिसके विरुद्ध कार्यवाही की जानी सुनिश्चित की गई। वहीं एसडीओ श्री शर्मा ने बताया कि अधिशाषी अभियंता के निर्देशन में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी में पकड़े जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उक्त एसडीओ ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन नही है, तत्काल कनेक्शन कराएं, अन्यथा उन्हें हरगिज बक्सा नही जाएगा। इसी प्रकार एसडीओ के नेतृत्व में क्षेत्र के सिरसा इलाके में शुक्रवार की रात अभियान के तहत दर्जनों उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए गए, जिससे इलाके में हड़कंप मचा रहा। उक्त छापेमारी में अधिकारियों के साथ दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों के फसल पर चली सरकारी जेसीबी

मेजा। मेजा तहसील क्षेत्र के बिसहिजनन खुर्द गांव में दिल्ली हावड़ा रेलवे लाइन पर बन रही अंडर ब्रीज के निर्माण में बाधक बने किसानों की फसल को तहसील प्रशासन व पुलिस ने किसानों की एक न सुनते हुए। किसानों की कई एकड़ धान की फसल को जेसीबी लगाकर नष्ट करा दिया और अंडर ब्रीज के रास्ते को साफ करा दिया । किसानों ने इसका विरोध किया लेकिन पुलिस -प्रशासन के कड़े तेवर के आगे उनकी एक भी नहीं चली इस बीच किसानों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। बता दें कि बिसहिजन खुर्द गांव के पास करीब छह माह से अंडर ब्रीज का काम रुका पड़ा है। तहसील प्रशासन पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच अंडर ब्रीज में बाधक बने किसानों की धान की कई एकड़ फसल को जेसीबी लगाकर ध्वस्त करा दिया। किसानों ने जब इसका विरोध किया तो प्रशासन ने उनकी एक नहीं सुनी इस बीच

किसानों की फसल पर जलाया जा रहा जेसीबी

किसानों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। किसान मुन्ना सिंह ने बताया कि किसान मुआवजे की मांग को लेकर कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे थे ' किसानों का आरोप है कि तहसील प्रशासन व पुलिस ने किसानों के साथ अन्याय किया है। किसान कमलेश्वर सिंह और श्याम नारायण सिंह ने बताया कि अगर प्रशासन को यही करना था तो धान की फसल कट जाती तब रास्ता बनाना चाहिए था। किसानों में इसके विरोध में कोर्ट में जाने का निर्णय लिया है।

रेलवे प्रशासन ने अधिग्रहीत जमीन पर बने मकान को ढहाया

करछना। रेल चौड़ीकरण को लेकर तहसील क्षेत्र के कचरी गाव मे बन रहे फोरलेन कारीडोर परियोजना मे अधिग्रहित की गई जमीन पर बने मकानो को तहसीलदार करछना अनिल कुमार वर्मा ने चार लोगो के मकान गिरवाया जबकि कुछ किसान मुआवजा न मिल पाने से मकान नही गिरने दिया।कचरी गाव के कुछ किसान रेलेव मे अधिग्रहित जमीन और मकान का मुआवजा पाने के बावजूद रेलवे विभाग द्धारा बार.बार नोटिस दिए जाने के बावजूद अपने मकानो को खाली नही कर रहे थे जिससे रेलवे के अधिकारी ने करछना तहसीलदार सहित पुलिस के साथ मौके पर पहुचकर अधिग्रहित की जमीन मे बने मकानो को जेसीबी लगाकर गिरवा दिया गया।बताया जाता है कि उक्त गाव मे 16 लोगो के मकान अधिग्रहण के दायरे मे आया था जिसमे विभाग द्वारा सभी को मुआवजा दिया गया लेकिन किसानो का आरोप है कि सर्किल रेट से भुगतान किया गया है जबकि किसान आवासीय रटे से मुआवजे की मांग कर रहे है।

दायमगंज में टूटी हुई पुलिया का का हुआ पतन ट्रैक्टर समेत पुलिया टूट कर गिरी नहर में

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के समोधीपुर दायमगंज में लंबे दिनों से क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत न होने के कारण गुरुवार को नहर की पुलिया का पतन हो गया।वही ट्रैक्टर लेकर जा रहा चालक बाल-बाल बचा। दायमगंज नहर की पुलिया से जा रहा ट्रैक्टर अचानक ट्रैक्टर समेत नहर में समा गया जहां चालक बाल-बाल बच गया। वही बड़ा हादसा होने से एक बार फिर टल गया। कई वर्षों से खराब जर्जर पुलिया के निर्माण के लिए ग्रामीणों द्वारा विभागीय अधिकारियों तथा क्षेत्र के विधायक नेताओं को प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया। जिस पर किसी का ध्यान नहीं गया। वही अब तक लगभग दर्जनों से ज्यादा लोग चोटिल हो चुके हैं तथा एक दर्जन से ज्यादा लोग उसमें गिर कर अपना हाथ पैर गवा चुके हैं। लेकिन विभागीय अधिकारी व क्षेत्र के सांसद विधायक इस पर ध्यान नहीं दिए। आज बड़ा हादसा होने से टल गया जहां ग्रामीणों में

पुलिया टूटने से नहर में गिरा ट्रैक्टर

क्षेत्रीय नेता तथा विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर आक्रोश व्याप्त है। वही उतराव से हड़िया मोहम्मदाबाद का मुख्य मार्ग होने से आवागमन भी पूर्णता आवागमन भी पूर्णता बाधित हो हो चुका है ।यह ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या है अभी तक किसी तरीके से आवागमन चल रहा था पुलिया ध्वस्त होने से अब पूर्णता बाध्य हो चुका है। गांव के डॉक्टर कुद्दुस मुस्लिम नेता अशोक वर्मा डॉक्टर नुरूज्जमा अंसारी पिंटू शौकत अली क्षेत्र के अन्य गांवों को लोगों ने जल्द से जल्द पुलिया के निर्माण कार्य चालू होने की मांग की है।

हाईकोर्ट समाचार

जीवित पति को मृत बता पत्नी को विधवा पेंशन मामले में एसएसपी को जांच का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसएसपी मथुरा को जिला पंचायत राज अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान की मिलीभगत से हुए फजीर्वाडे. की तीन माह में निष्पक्ष जांच पूरी करने का निर्देश दिया है। इन अधिकारियों पर आरोप है कि इनकी मिलीभगत से जीवित लोगों को मृत दिखाकर विधवा पेंशन व अन्य लाभों का फर्जी तरीके से भुगतान किया गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति बी अमित स्थालेकर तथा न्यायमूर्ति शमीम अहमद की खंडपीठ ने माधव सिंह की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याची का कहना है कि बछगांव के निवासी माधव सिंह पुत्र हरिश्चंद्र ने थाना मगौरा में कोर्ट के जरिये 29 नवंबर 19 को एफआईआर दर्ज करायी है। जिसमें ग्राम प्रधान व अन्य के खिलाफ षडयंत्र, धोखाधड़ी व फजीर्वाड़ा कर लोगों को सरकारी धन का अनुचित लाभ देने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। चार लोगों को, जो कई साल पहले मर चुके हैं, 2017 में मृत होने का प्रमाणपत्र देकर वारिसों को अवैध तरीके से लाभ पहुंचाया गया। जिंदा लोगों को मृत्यु प्रमाणपत्र देकर उसकी पत्नी को विधवा पेंशन का भुगतान किया गया है। याची का कहना था कि पुलिस सही जांच नहीं कर रही है। किसी की इस मामले में अभी तक गिरफ्तारी नहीं की है और मामले को रफा-दफा कर अंतिम रिपोर्ट लगाने जा रही है। याची ने सबूतों के साथ हलफनामा दाखिल कर सही जांच कर कार्यवाही की मांग याचिका दाखिल कर की थी।

बच्चा नैसर्गिक अभिभावक अपनी माँ की अभिरक्षा में सर्वाधिक सुरक्षित : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि नाबालिग बच्चे की मां ही उसकी सबसे उपयुक्त नैसर्गिक अभिभावक हो सकती है। बच्चा अपनी मां की अभिरक्षा में सर्वाधिक सुरक्षित माना जाएगा। हालांकि कानून की नजर में बच्चे का हित सबसे ऊपर होता है। अदालत को बच्चे की कस्टडी पर विचार करते समय यह देखना होता है कि बच्चे का हित किसके साथ सबसे ज्यादा सुरक्षित है। यदि मां के साथ किसी विशेष परिस्थिति के कारण देखभाल करने में अक्षम नहीं है तो उसे ही सबसे उपयुक्त अभिभावक माना जाएगा। कोर्ट ने तीन वर्षीय बच्चे को उसकी दादी और ताऊ की अभिरक्षा से मुक्त कराकर मां की सुपुर्दगी में देने का निर्देश दिया है। एटा की रीतू की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर विचार करते हुए यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने दिया है। कोर्ट ने दादी और ताऊ की ओर से उठाई गई इस आपत्ति का भी जवाब दिया कि वह दोनों बच्चे के लिए अजनबी नहीं है। नजदीकी रिश्तेदार हैं। इसलिए उनकी अभिरक्षा को अवैध निरुद्धि नहीं कहा जा सकता है और न ही उनके विरुद्ध बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका जारी की जा सकती है। इस पर कोर्ट का कहना था कि मां के होते हुए यदि बच्चा अपने नजदीकी रिश्तेदारों की अभिरक्षा में है तो इसे अवैध निरुद्धि ही माना जाएगा। क्योंकि मां बच्चे की नैसर्गिक अभिभावक है। हालांकि कोर्ट ने दादी और ताऊ की बच्चे के भविष्य के प्रति चिंता को स्वाभाविक करार दिया है। मामले के अनुसार रीतू की शादी 2015 में श्याम सुंदर उर्फ श्यामू के साथ हुई थी। उनके दो बच्चे मोहन उर्फ भोले और झलक हुए। श्यामू बेरोजगार था और इससे ऊब कर उसने खुदकुशी कर ली। रीतू का कहना था जब वह श्यामू की तेहरवीं में शामिल होने अपनी ससुराल गई तो उससे बुरा बर्ताव किया गया और भोले को उसकी सास और जेठ ने जबरदस्ती अपने पास रख लिया। भोले की अभिरक्षा लेने के लिए उसने पुलिस अधिकारियों को प्रार्थनापत्र दिए मगर कोई कदम नहीं उठाया गया। तब उसने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की है। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी पक्षों को हाजिर होने का आदेश दिया। कोर्ट के आदेश पर भोले की दादी और ताऊ उसे लेकर अदालत में हाजिर हुए। कोर्ट ने मामले की सुनवाई अपने चैंबर में की। न्यायाधीश ने तीन साल के भोले से भी बात की। हालांकि बेहद छोटी उम्र का होने के कारण उसकी पसंद में कोई स्पष्टता नहीं थी। कोर्ट ने कहा कि कानून की नजर में बच्चे की मां या पिता ही उसके नैसर्गिक अभिभावक हैं। भोले की दादी की उम्र अधिक हो चुकी है वह खुद अपनी बेटी और दामाद के साथ रह रही हैं। जबकि ताऊ ने भोले को उसकी मां की अभिरक्षा में देने पर कोई आपत्ति नहीं जताई। कोर्ट ने भोले को एक सप्ताह में उसकी मां की सुपुर्दगी में देने का आदेश दिया है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो सीजेएम एटा से कहा है कि वह पुलिस की मदद से भोले की सुपुर्दगी सुनिश्चित कराएं। दादी और ताऊ को सप्ताह में एक बार सुबह दस से दिन में दो बजे के बीच भोले से मिलने की छूट दी है। कोर्ट ने रीतू को निर्देश दिया है कि वह भोले की दादी से उसकी मुलाकात सम्मान व आदर के साथ कराए।

शिक्षिका के बर्खास्तगी आदेश पर रोक, सवेतन बहाली का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति पाने की आरोपी कस्तूबरा विद्यालय की नियमित शिक्षिका की बर्खास्तगी का आदेश पर रोक लगाते हुए उनको वेतन के साथ अपने पद पर बहाल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने फर्जी नियुक्ति के मामले में प्रदेश सरकार और बेसिक शिक्षा विभाग से चार सप्ताह में जवाब भी मांगा है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय आराजी लाइंस वाराणसी में नियुक्त अध्यापिका सरिता आर्या की याचिका पर यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता ने दिया है। याची का कहना था कि उसके खिलाफ 17 जुलाई 2020 को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश पारित कर उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया गया है। उस पर फर्जी अंकपत्रों के आधार पर नियुक्ति पाने का आरोप है। याची हिंदी विषय की पूर्णकालिक अध्यापिका है। याची का कहना है कि कोर्ट ने इसी प्रकार के एक अन्य मामले में बर्खास्तगी पर रोक लगाते हुए वेतन सहित बहाल करने का आदेश दिया है। याची के प्रकरण में भी ऐसा ही आदेश की मांग की गई। कोर्ट ने रामचरित्र यादव व अन्य के मामले में 31 अगस्त को दिए आदेश को याची के संबंध में भी देते हुए दोनों याचिकाओं को एक साथ सुनवाई के लिए प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। इस दौरान दोनों पक्षों को अपने अपने हलफनामे और जवाबी हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया है।

ग्राम प्रधान के अधिकार छीनने के आदेश पर रोक, जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्राम प्रधान आसफपुर के प्रशासनिक व वित्तीय अधिकार छीनने के इटावा के जिलाधिकारी के आदेश पर रोक लगा दी है और याची प्रधान को पद का कार्य करने देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने याचिका में उठाये गए कानूनी मुद्दों पर राज्य सरकार से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र ने सुनील कुमार की याचिका पर दिया है। याचिका के अनुसार 20 अगस्त 20 के डीएम के आदेश को याचिका में चुनौती दी गयी है। इस आदेश के तहत याची प्रधान के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार छीन लिया गया है। याची का कहना है कि पंचायत राज अधिनियम की धारा 27 के तहत उसे कारण बताओ नोटिस जारी नहीं की गयी है। और न ही जिलाधिकारी ने धारा 95(1)जी का आदेश जारी करने की वजहों को दर्ज किया है। जिलाधिकारी ने प्रारम्भिक जांच मे प्रथम दृष्टया आरोपों की पुष्टि होने के आधार पर याची प्रधान के अधिकार जब्त करने का आदेश दिया है, जो कानून के खिलाफ है। कोर्ट ने जिलाधिकारी को नियमों का पालन करते हुए वैधानिक कार्यवाही करने की छूट दी है।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

10 हजार रुपए लेकर अपात्रों को दिया जा रहा आवास शिकायत

करछना। तहसील क्षेत्र के सेमरी तालुका पुरवा गाव मे ग्राम प्रधान द्धारा 10.10 हजार रुपए लेकर अपात्रो को आवास दिया जा रहा है जिसकी शिकायत गांव के ही सुजीत तिवारी द्धारा बीते सपूर्ण सामधान दिवस पर की गई है जिसकी जाच बीडीओ कौधियारा दी गई है।ग्राम प्रधान सेमरी तालुका पुरवा द्धारा अपात्रो से पैसे लेकर गरीबो को दिए जाने वाला आवास दूसरे को दिया जा रहा जिससे गाव के लोगो मे गहरी नाराजगी व्याप्त है।शिकायती पत्र के मुताबिक गाव के रोजगार सेवक द्धारा सत्यापन कराकर जिन व्यक्तियो को पात्र दिखाया गया था उनके पास पहले से ही पक्का मकान बना है और उनके पिता के नाम कई बीघे जमीन भी है।पचायत चुनाव नजदीक आने की वजह से प्रधानो द्धारा अपने वोटरो को लालच दिया जा रहा है।समाधान दिवस प्रभारी शिकायती पत्र देकर जांच की माग की है जिसपर प्रभारी ने बीडीओ कौधियारा को जाच के आदेश दिया गया है।

अतीक के करीबी आविद और उसके दामाद के अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

प्रयागराज। माफिया अतीक के करीबी प्रधान आविद और उसके दामाद के अवैध कब्जे पर शनिवार को बुलडोजर लगाकर गिरा दिया गया। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) और पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी ग्राम समाज की छह सौ वर्ग गज को खाली कराया। अब तक प्रशासन लगभग ढाई सौ करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुका है।

धूमनगंज के मरियडीह ग्राम प्रधान मो. आबिद माफिया अतीक गैंग का सदस्य है। आरोप है कि वह और उसका दामाद मो.जैद ने कौशाम्बी जिले के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर पुलिस चैकी के पास ग्राम समाज की जमीन हड़पकर अवैध कब्जा कर निर्मीण करा लिया था। कब्जा की गई जमीन लगभग 600 वर्ग गज जमीन है।

जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी के निर्देश पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ बुलडोजर लेकर शनिवार को पहुंचे और

अवैध कब्जा ढहाता बुल्डोजर

अवैध कब्जे को ध्वस्त करा दिया। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन के नाम झूंसी में संचालित हो रहे कोल्ड स्टोरेज को प्रशासन ने गिराया था।

नौकरी में संविदा व्यवस्था खत्म करने पर जताई खुशी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में संविदा व्यवस्था लागू करने की व्यवस्था पर रोक की सूचना आने पर युवाओं ने खुशी जताई। इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर में एनएसयूआई से जुड़े छात्राओं ने संविदा व्यवस्था पर रोक पर मिठाई खिलाकर खुशी जताई। प्रदेश सरकार की ओर से सरकारी नौकरियों में पांच साल के लिए संविदा व्यवस्था लागू करने की तैयारी की थी। इस सूचना के बाद युवा भड़क उठे थे।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष समेत 308 नए संक्रमित मरीज मिले

प्रयागराज। इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी भी शनिवार को कोरोना पॉजिटिव हो गए। विशेष लक्षण न होने के कारण उन्हें होम आइसोलेशन में रहने की स्वीकृति मिली है। 24 घंटे में जिले में 306 पॉजिटिव केस मिले हैं, जबकि पांच मरीजों की इलाज के दौरान मौत हो गई।

अन्य कोरोना मरीजों में कई बैंक अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल हैं। इसमें आइसीआइसीआइ बैंक के जिला प्रबंधक,एसबीआइ कचहरी शाखा के प्रबंधक, बैंक आफ इंडिया के वरिष्ठ प्रबंधक, सीडीए पेंशन के आडिटर, कमला नेहरू अस्पताल का फार्मासिस्ट, करछना के एक लेखपाल, रेलवे के लोको पायलट, प्रयाग रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर, रज्जू भइया राज्य विश्वविद्यालय के प्रोफेसर भी पॉजिटिव हो गए हैं। इसी तरह शनिवार को 404 संक्रमित कोरोना को मात देकर अपने घर गए।

कोविड-19 के नोडल डॉ. ऋषि सहाय ने बताया कि जिले में इस समय 2533 सक्रिय मरीज हैं, जिसमें कुछ अस्पतालों में हैं व कुछ होम मरीज घर में ही आइसोलेशन में हैं। कोरोना काल में आए दिन ज्यादातर निजी अस्पताल संचालक मरीजों के साथ मनमानी कर रहे हैं। सीएमओ डॉ. जीएस वाजपेयी ने बताया कि धूमनगंज निवासी डॉ. कौशलेंद्र 49 वर्षीय मरीज पीके मिश्रा का इलाज बिना कोविड की जांच कराए ही कर रहे थे, जबकि मरीज में कोरोना के लक्षण थे। सीएमओ ने डॉक्टर को नोटिस दिया है कि तीन दिन के अंदर इस मामले में अपना जवाब प्रस्तुत करें अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्या ने सुनी कार्यकर्ताओं व आम जनों की समस्याएं

पार्टी पदाधिकारियों संग वृक्षारोपण करते उपमुख्यमंत्री

प्रयागराज। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस, प्रयागराज में शनिवार को पार्टी कार्यकताओं एवं आम जनों की शिकायतों व समस्याओं की जनसुनवाई करते हुए समाधान हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। तत्पश्चात सिविल लाइंस स्थित निमार्णाधीन भवन का निरीक्षण एवं वृक्षारोपण किया। प्रयागराज आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या को आजाद पार्क में महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कार्यकताओं की समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर उन्होंने अधिकारियों को तत्काल समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया। इसके उपरांत उपमुख्यमंत्री श्री मौर्या ने भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय सिविल लाइन की निर्माणाधीन बिल्डिंग का निरीक्षण किया। साथ ही भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी के नेतृत्व में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्यालय परिसर में पार्टी पदाधिकारियों के साथ पर्यावरण के संवर्धन के लिए वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक दीपक पटेल, प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी, रणजीत सिंह, कमलेश कुमार, अवधेश चंद्र गुप्ता, कुंज बिहारी मिश्रा, वरुण केसरवानी, देवेश सिंह, राजेश केसरवानी, आनंद श्रीवास्तव, राजू पाठक, विवेक अग्रवाल, गिरिजेश मिश्रा, पार्षद मनोज कुशवाहा, राघवेंद्र सिंह, सचिन जायसवाल, रमेश पासी सहित पार्टी के समस्त वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ने कोविड-19 की समीक्षा में दिये निर्देश

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को सर्किट हाउस के सभागार में कोविड-19 एवं विकास कार्यो के प्रगति की समीक्षा बैठक की। जिसमें कोविड-19 की समीक्षा करते हुए उन्होंने संक्रमण के प्रसार को फैलने से रोकने के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से कार्रवाई करने, टेसि्टंग संख्या बढ़ाने, कान्टैक्ट ट्रेसिंग को शत-प्रतिशत रुप से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपमुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि परीक्षण केन्द्रों पर आने वाले लोगों को परीक्षण में किसी भी प्रकार की समस्या न हो तथा जो परीक्षण के लिये आयें उनका अनिवार्य रुप से परीक्षण किया जाये। उन्होंने कहा कि परीक्षण कराने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाये। उन्होंने कहा कि स्थिति को देखकर ही होम आइसोलेंशन की अनुमति दी जाये।

कोविड 19 की समीक्षा करते उपमुख्यमंत्री

जिलाधिकारी भानु चन्द गोस्वामी ने कहा कि अधिक उम्र वालों तथा पूर्व में किसी बीमारी से ग्रस्त लोगों के होम आइसोलेशन की अनुमति के संबंध में विशेष सावधानी बरती जा रही है। जिससे ऐसे लोगों को बीमारी की गंभीरता से बचाया जा सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को प्रतिदिन अटेंड किया जाये तथा उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी नियमित रुप से किया जाता रहे। कहा कि भर्ती मरीजों के साथ चिकित्सक, नर्स व वार्ड ब्वाय अच्छा व्यवहार करें। उन्होंनें कोविड-19 के लिए 4-5 और प्राइवेट अस्पतालों को चिन्हित करने के लिए कहा। जहां लोग चाहें तो सरकार द्वारा निर्धारित रेट पर अपना उपचार करा सकें। उनको इलाज के लिए बाहर न जाना पड़ें। वेंटिलेटर की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करने पर बताया गया कि वेंटिलेटर की पर्याप्त उपलब्धता है। इसके उपरांत श्री मौर्य स्वरूपरानी अस्पताल पहुंच कर पूर्व में कोरोना पाजिटिव रह चुके डॉ. रोहित सिंह तथा डॉ. विवेक कुंवर को कोरोना मरीजों के उपचार के लिए प्लाजमा डोनेट करने पर उनका उत्साहवर्धन किया एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

सेवा सप्ताह के पांचवें दिन नमो वन के तहत किसान मोर्चा ने रोपे पौधे

पौधरोपण करते भाजपा कार्यकर्ता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार किसान मोर्चा द्वारा सेवा सप्ताह के रूप मोदीजी का 70वां जन्मदिन यमुनापार जिले के बीसों मंडलों में जिला कार्यक्रम संयोजक व किसान मोर्चा के जिला महामंत्री सुभाष सिंह पटेल के अगुआई में मना रही है।

यमुनापार भाजपा मीडिया प्रभारी दिलीप चतुर्वेदी ने बताया कि जिला प्रभारी व प्रदेश महामंत्री रमेश पांडेय के नेतृत्व में किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रत्नाकर सिंह पटेल, महामंत्री सुभाष सिंह पटेल, किसान मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी गिरीश कुमार चतुर्वेदी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी आदि ने नारीबारी, झंझरा चैबे में पौधारोपण कर शुभारंभ किया। उसके बाद पूरे यमुनापार में मोदी के दीघार्यु व उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ नमो वन स्थापित करने के उद्देश्य पौधे रोपे गए।

श्री पांडेय ने कहा पीएम मोदी को जन्मदिन का बेहतरीन तोहफा पौधारोपण है। मोदी दिव्य पुरुष हैं, उनका सपना है पौधरोपण कर समाज को शुद्ध जलवायु उपलब्ध कराना। जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती ने एसपीजीआई मे भर्ती होने के बावजूद फोन कर कार्यकताओं की प्रशंसा कर मोदी को जन्मदिन की बधाई दी। रूम, पटिवार, हर्रो, देवरा आदि गांवों मे रवि सिंह, ज्ञानेश सिंह, गोपी सिंह, धर्मराज पाल, सोनू पाल, रामनिरंजन, रामकुमार राजू, अशोक, राजकुमार यादव, छोटू विश्वकर्मा, राममूर्ति विश्वकर्मा आदि ने पौधरोपण किया। इसी प्रकार पूरे बारा, करछना, मेजा, कोरांव विधानसभा के चयनित ग्राम पंचायतों पर किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओ, छात्रों, ग्राम प्रधानों, रिटायर्ड फौजियों आदि द्वारा पौधरोपण किया गया।

आधा दर्जन वांक्षितों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नैनी। नैनी कोतवाली में बीते कुछ दिन पूर्व मुकदमा अपराध संख्या ९५६/२० धारा १४७/ १४८/ १४९/ ३२३/ ५०४/५०६/४२७ व ३५४ के तहत आनन्द नगर निवासी बैभव श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, नई बाजार निवासी अतुल सिंह, मेजा के अखरी शाहपुर निवासी हर्ष शुक्ला, चक भटाई निवासी महेश व शाह जी का पूरा निवासी सुहैल खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुआ था। आरोपी पुलिस की पकड़ से फरार चल रहे थे। शनिवार को पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान कर दिए।

प्रधान को गोली मारकर अपराधी फरार, एसआरएन में भर्ती

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र में पिपरहटा गांव में शुक्रवार की रात ग्राम प्रधान को गोली मारकर अपराधी फरार हो गए। सूचना पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। हमले की वजह चुनावी रंजिश माना जा रहा है। कौंधियारा के पिपरहटा गांव निवासी किसनराज सिंह (55) गांव के प्रधान है। बताया जा रहा है कि वह गांव में ही पंचायत भवन का निर्माण करा रहा है। शुक्रवार की रात प्रधान निमार्णाधीन विलि्डग देखने के लिए था। इसी मोटर साइकिल दो अपराधी पहुंचे और गोली मारकर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोली से घायल प्रधान को उपचार कराने के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया और परिजनों की सूचना पर मुकदमा करके अपराधियों की तलाश में दबिश दे रही है। हमले की वजह चुनावी रंजिश से जुड़ी नजर आ रही है।

उप मुख्यमंत्री ने विकास कार्यो में तेजी से गति लाये जाने के दिये निर्देश

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कोविड-19 की समीक्षा के बाद विकास कार्यो की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को विकास कार्यो में तेजी से गति लाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जो भी परियोजनायें स्वीकृत हैं उन पर तेजी से कार्य किया जाये। उन्होंने जमीन अधिग्रहण सहित अन्य कार्रवाईयों को प्राथमिकता पर कराये जाने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कर लिया जाये। उन्होंने मलाक हरहर से म्योराबाद तक गंगा जी पर बनने वाले 6 लेन पुल, राम वन गमन मार्ग, रिंग रोड, बक्शी बांध एवं सलोरी में बनने वाले आरओबी सहित तथा अन्य परियोजनाओं की समीक्षा करतें हुए निर्माण कार्य से संबंधित सभी आवश्यक कार्रवाइयों को प्राथमिकता पर किये जाने का निर्देश दिया है। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों में बन रहे पंचायत भवनों के निर्माण की प्रगति के संबध में भी जानकारी प्राप्त की। जिसमें बताया गया कि कुछ जगहों को छोड़कर अन्य सभी जगहों पर निर्माण कार्य चल रहा है। कुछ जगहों पर स्थान या भूमि से संबंधित समस्या है जिसका शीघ्र ही निस्तारण कर लिया जायेगा। उप मुख्यमंत्री ने माघ मेला आयोजन पर चर्चा करते हुए कहा कि यह एक अनुष्ठान है। इसको खंडित नहीं होने दिया जायेगा। इस अवसर पर मण्डलायुक्त आर रमेश कुमार, जिलाधिकारी भानु चन्द गोस्वामी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, प्रयागराज विकास प्रधिकरण के उपाध्यक्ष अंकित अग्रवाल, नगर आयुक्त रवि रंजन आदि रहे।

ट्रैक्टर से जुताई कर रहे किसान की दर्दनाक मौत

बेलन नदी के किनारे खेत मे पलटने से हुआ हादसा

कोरांव। खेत में जोताई कर रहे किसान मो0 समी 53 वर्ष की अचानक ट्रैक्टर पलट जाने से दर्द नाक मौत हो गई। घटना से उक्त परिबार में कोहराम मच गया और पूरे इलाके गांव में हड़कम्प मच गया। बतादें कि मो0 सफी पुत्र स्वर्गीय मो0 सद्दीक 53 वर्ष ग्राम देवघाट थाना कोराव शुक्रवार को बाद नमाज जुमा बेलन नदी के किनारे अपने खेत की जोताई कर रहे थे कि अचानक ट्रैक्टर पलट गया जिसमें कुचल कर दर्द नाक मौके पर ही मौत हो गई। 19 सितंबर को पुलिस ने शव को पोमा के लिए भेजा । और देर शाम तक दाह शस्कार कर दिया गया। मृतक मो0 समी के पांच पुत्रियां हैं और दो पुत्र। घटना से दुखी परिवार में कोहराम मच गया है।

एएमए ब्लड बैंक में हुआ पहला कोविड प्लाज्मा डोनेशन

प्रयागराज मण्डल की इकलौती प्लाज्माफेरेसिस मशीन से होगी प्लाज्मा थेरेपी

प्लाज्मा डोनेट करते हुए

प्रयागराज। एएमए ब्लड बैंक में शनिवार को कोविड संक्रमित गंभीर मरीजों के लिए प्लाज्माफेरेसिस की सेवा आरम्भ की गयी है। पहले प्लाज्मा डोनर के रूप में नगर के प्रख्यात दवा व्यापारी संजय सिंह, निवासी लूकरगंज ने कोरोना से स्वस्थ होने के बाद स्वेच्छा से प्लाज्मा डोनेशन किया।

गौरतलब है कि यह सुविधा प्रदेश के गिने चुने शहरों में उपलब्ध है और इसके लिए नगरवासियो को दिल्ली के महंगे अस्पतालों में शिफ्ट होना पड़ता था। एएमए ब्लड बैंक में स्थापित प्लाज्माफेरेसिस मशीन प्रयागराज मण्डल की इकलौती मशीन है। इस मशीन के उपयोग के कई लाभ हैं। इसमें डोनर से मात्र प्लाज्मा निकाल कर अन्य रक्त कम्पोनेन्ट डोनर के शरीर में पुनः मशीन द्वारा ही उसी समय वापस भेज दिया जाता है। इस प्रक्रिया से मरीज को अधिक प्लाज्मा का लाभ मिलता है तथा डोनर को भी हीमोग्लोबिन आदि की हानि नही होती है और शरीर पर दुर्बलता या अन्य कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। जबकि अन्यत्र उपलब्ध पुरानी तकनीक में एक यूनिट प्लाज्मा के लिए डोनर का पूरा एक यूनिट खून भी अतिरिक्त निकालना पड़ता है।

खुद कोरोना से जंग जीतने के बाद अब कोविड संक्रमितों की मदद कर रहे दवा व्यापारी संजय सिंह जुलाई माह में कोरोना संक्रमित हो गये थे। कोरोना से जंग जीतने के बाद उन्होने अन्य पीड़ितों की मदद का बीड़ा उठाया। उन्हें जैसे ही पता चला कि इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन को प्लाजमा थेरेपी के लिए स्वस्थ हो चुके मरीजों का प्लाज्मा एकत्र करने का लाइसेंस प्राप्त हो चुका है, उन्होने तुरन्त एएमए के पीआरओ डॉ. अनूप चैहान से संपर्क कर नगर के प्रथम प्लाज्मा डोनर बनने की इच्छा जाहिर की। ताकि इससे प्रेरित होकर ज्यादा से ज्यादा कोरोना से जंग जीत चुके लोग अन्य गंभीर मरीजों की मदद को आगे आयें। चेयरमैन एएमए ब्लडबैंक डॉ. अशोक अग्रवाल ने संजय सिंह को गुलदस्ता और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया तथा अध्यक्षा डॉ.राधारानी घोष ने प्लाज्मा डोनेशन को सराहनीय कदम बताया। सचिव डॉ. राजेश मौर्या ने डोनर तथा ब्लड बैंक कर्मचारियो का धन्यवाद किया। इस अवसर पर ब्लडबैंक के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अनिल कुमार अग्रवाल, डॉ. अनिल शुक्ला, मेडिकल अधिकारी डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. युगान्तर पाण्डेय, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. सुभाष वर्मा, डॉ. अभिनव अग्रवाल आदि मौजूद थे।

मेजा रोड पुलिस ने लाउडस्पीकर लगाकर लोगों को कोरोना वायरस के प्रति किया जागरूक

मेजारोड। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शासन प्रशासन पूरी तरीके से मुस्तैद और सतर्क है। लोगों को जागरूक करने के लिए पुलिस रात दिन लगी हुई है । उसी क्रम में एसएसपी प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के निर्देश पर क्षेत्र के थानों चौकी के पुलिस कर्मियों के द्वारा बाजारों में लाउडस्पीकर लगाकर कोरोना के प्रति लोगों को जागरूक करने का सिलसिला शुरू किया गया है। उसी क्रम में शनिवार को मेजारोड चौकी प्रभारी प्रीत कुमार पांडेय तथा उपनिरीक्षक नवीन सिंह के द्वारा मेजा रोड बाजार के पटेल नगर चौराहे पर लाउडस्पीकर लगवा कर कोरोना के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। चौकी प्रभारी प्रीत पाण्डेय ने कहा कि लाउडस्पीकर के आवाज से बाजार में लगने वाली भीड़ तथा बगैर मास्क के टहल रहे लोग सामाजिक दूरी का पालन करते हुए मास्क का प्रयोग करेंगे।

छेड़खानी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में अभियुक्त

लालापुर। लालापुर थाना क्षेत्र के भभौर निवासी शनि निषाद पुत्र फूल चंद वर्ष 20 गाव की ही लड़की के साथ छेड़खानी कर रहा था। जिसकी शिकायत लालापुर थाना में परिजनों की थी। पुलिस ने घर में छापा मारी की लेकिन वहां भागने में सफल रहा।जब मुखबिर की सूचना मिली कि वह घूरपुर जाने वाली रोड पर सड़क के किनारे खड़ा हैं। कहि भागने की फिराक में हैं। जिस पर लालापुर थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय ने अपने थाने के दरोगा पवन गौतम, कास्टेबल बृजेश कुमार को तुरंत मौके पर भेजा।तो वह पुलिस को देखकर भागने लगा लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर अभियुक्त को पकड़ लिया। जिसे थाने लाकर कार्यवाही कर न्यायालय भेज दिया गया।

प्रयागराज रविवार, 20 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

संपूर्ण बीमारियों का मूल कारण आदतों की गुलामी

क्रियायोग से आदतों पर विजय

क्रियायोग की साधना से आदतों पर संपूर्ण विजय प्राप्त हो जाती है। जैसे जैसे मनुष्य आदतों पर विजय की ओर अग्रसित होता है, वैसे वैसे उसके अंदर देवत्व शक्ति का जागरण होने लगता है। संपूर्ण समस्याओं का मूल कारण है आदतों की गुलामी। जब मनुष्य आदतों के अधीन होकर किसी भी कार्य को करता है तो, उसके अंदर शक्ति, ज्ञान, धैर्य ,साहस, का लोप होने लगता है। सूक्ष्मता से देखने पर स्पष्ट होगा कि स्वास का लेना, खाना, पीना, सोना, जागना आदि सब कुछ आदत है। आदत पर पूर्ण विजय प्राप्त होने पर कर्मबंधन समाप्त हो जाता है। ऐसी अवस्था में साधक का जीवन अतीत के कर्मों से नहीं बल्कि सीधा परमात्मा से नियंत्रित होता है। आदत पर संपूर्ण विजय प्राप्त होना अंतः करण में देवत्व शक्ति का जागरण है। समस्त बीमारियों का मूल कारण आदतों की गुलामी है। मनुष्य अनेक प्रकार की आदतों से ग्रसित है। एक निश्चित प्रकार के स्वाद, गंध को लेने की आदत, एक निश्चित रूप में देखने, बोलने, सोचने आदि से संबंधित आदतें। गहनता से देखने पर स्पष्ट होगा कि मनुष्य संपूर्ण क्रियाकलापों को आदतों के अधीन होकर संपादित करता है, जिससे वह अपने सर्वव्यापी, अनंत व अमर स्वरूप की अनुभूति नहीं कर पाता है। परिणामस्वरूप वह अनेक प्रकार की बीमारी, तनाव, चिंता, डर आदि से ग्रसित होने लगता है । आदतों की गुलामी से मुक्त होने पर सम्पूर्ण आधि - व्याधि का समापन हो जाता है, और साधक अपने मौलिक अनंत व विराट स्वरूप का साक्षात्कार कर लेता है। ऐसी अवस्थाा में जिस परम ज्ञान, शांति व शाश्वत आनंद की प्राप्ति होती है, उसे शब्दों में लिखकर व बोलकर व्यक्त नहीं किया जा सकता है । जिस प्रकार एक बीज में संपूर्ण वृक्ष सूक्ष्म रूप में विद्यमान है, ठीक उसी प्रकार मानव स्वरूप तथा ब्रह्मांड की प्रत्येक रचना में संपूर्ण ब्रह्मांड, ब्रह्मांड का आदि- मध्य - अंत अलौकिक रूप में विद्यमान है। क्रियायोग साधना के द्वारा स्वरूप में एकाग्रता केंद्रित होने पर स्पष्ट हो जाता है कि अतीत की संपूर्ण घटनाएं मानव स्वरूप में किसी न किसी रूप में घटित हो रही है।

मनुष्य का वर्तमान स्वरूप अतीत का पुनरुत्थान और भविष्य का गर्भस्थ अस्तित्व है। ब्रह्मांड की समस्त रचनाओं में अतीत, वर्तमान और भविष्य समाहित है। बाहर किसी अन्य रचना में एकाग्रता बढ़ाकर अतीत, वर्तमान और भविष्य को जानने में लाखों वर्ष लग जाते हैं। परंतु पैर की उंगली से सिर तक अपने दृष्य स्वरूप में एकाग्रता बढ़ाकर अल्पकाल में संपूर्ण ब्रह्मांडीय रहस्यों को आविषकृत किया जा सकता है। इसलिए मानव स्वरूप को शास्त्रों मे राजमार्ग तथा इसमें ईश्वर खोजने की क्रिया को राजयोग कहा गया है।

SLAVERY TO HABITS IS THE ROOT CAUSE OF ALL KINDS OF ILLNESSS

Practice of Kriyayoga with perfect devotion brings Victory over habit

Kriyayoga meditation brings victory over habit. As one progressively achieves victory over habit, angelic consciousness within starts awakening. The main cause of all problems is slavery towards habits. Whenever any person performs all activities based on addiction towards habits, then their self lacks essential power, knowledge, peace, and joy needed in daily life which increases stress in all walks of life.

If we observe the subtleties of the activities of breathing, eating, sleeping, waking, we will see that they are all gravitated by unnatural habits. When we overcome slavery over our habits, we will rise above the injurious effects of inhuman activities (karm bandhan). Then, the life of a devotee is not affected by past activities but managed and controlled by God.

Human beings are affected by many different habits such as the habit for a specific taste, smell, sight, style of thinking, speaking… In this way, humans are unable to realize their true Infinite, Omnipresent and Immortal nature. Human beings which are in the grip of unnatural habits, suffer from various illnesses, tension, worry and fear. When one is freed from the slavery to habits, illnesses and diseases are removed. Then, the devotee experiences their great Omnipotent potential. At this stage, one experiences knowledge, peace and Bliss to such an extent which is indescribable.

Just as in a seed the invisible tree is present, similarly, in a human and in each creation of Cosmos, the whole Cosmos and the beginning, middle and end of Cosmos is present. With the practice of Kriyayoga, when one concentrates on oneself (head to toes), then one realizes that all events of the past are compacted into our form in one way or another.

Within each creation, past, present and future is present. If we concentrate on any external object, it will take us many million years to know about the present and future time. However, if we concentrate within ourself, we can obtain all knowledge about all creation in a very short span of time. For this reason, our body structure, head to toes, has been referred to as the Royal Path and Kriyayoga as Raja Yoga - the fastest royal way to God that is all knowledge, power, peace and joy...